जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 60 | अंक-5 | जयपुर, सोमवार, 5 फरवरी, 2024 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

आमजन के लिए कार्य करना हो प्रशासन की पहली प्राथमिकता, नियमित जन सुनवाई और मॉनिटरिंग से सुनिश्चित करें सुशासन - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री की जोधपुर में संभाग स्तरीय अधिकारियों के साथ अहम बैठक

जोधपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए कि आमजन की परिवेदनाओं का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक के कार्यालयों में औचक निरीक्षण किए जाएं।

शर्मा जोधपुर के कलेक्ट्रेट सभागार में संभागस्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास को गति प्रदान करने की दिशा में 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने के लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने नियमित रूप से जन सुनवाई करने व मॉनिटरिंग कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने संभाग में बिजली तथा पेयजल आपूर्ति की स्थिति, चिकित्सा सुविधाओं, जल जीवन मिशन की प्रगति, विकसित भारत संकल्प यात्रा, कानून-व्यवस्था तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की।

चिकित्सकीय सुविधाओं में विस्तार हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पतालों, सीएचसी एवं पीएचसी में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने समय-समय पर अस्पतालों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सक निरंतर मरीजों व उनके परिजनों से संवाद स्थापित करें, जिससे सुविधाओं को बेहतर किया जा सके।

जल जीवन मिशन के प्रोजेक्टस को समय से करें पूरा-

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल-हर घर नल सपने को साकार करने के लिए चल रहे प्रोजेक्टस को गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ पूरा करे। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्टस का औचक निरीक्षण भी किया जाये। साथ ही अवैध कनेक्शन व पानी की चोरी को रोकने के लिए प्रभावी निगरानी कर ठोस कार्यवाही करें।

प्रतिदिन एक घंटे करें जनसुनवाई-

मुख्यमंत्री ने संभाग के सभी जिला कलक्टर व पुलिस आयुक्त, उपायुक्त व सभी पुलिस अधीक्षकों को नियमित रूप से 1 घंटे जनसुनवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलो में एक विशेष हेल्पलाइन नम्बर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे आमजन अपनी परिवेदनाएं दर्ज करा सकें।

पर्याप्त बिजली आपूर्ति हो सुनिश्चित-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को कृषि उपभोक्ताओं के लिए रबी सीजन में सुचारू रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने समय से घरेलू व कृषि बिजली कनेक्शनों को जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली छीजत को कम करने के लिए जिला प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य योजना बनाकर इसे पूरा करें।

उन्होंने कहा कि आमजन की परिवेदनाओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना जाये व उन्हें राहत प्रदान करने हेतु समय पर कार्यवाही भी करें।

स्वर्गीय संतोष देवी शर्मा की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में 125 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

जयपुर (हमारा वतन)। स्वर्गीय संतोष देवी शर्मा की पुण्यतिथि पर सामोद रोड स्थित गणेश गार्डन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 125 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान में भाग लिया । सभी रक्तदाताओं को उपहार स्वरुप हेलमेट, पानी की बोतल और रामलला की प्रतीकात्मक फोटो भेंट की । रक्त संग्रहण का कार्य जीवन ज्योति ब्लड बैंक सेंटर चौमूं की टीम द्वारा किया गया । रक्तदान शिविर का शुभारंभ स्वर्गीय संतोष देवी शर्मा को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। संत भूरा दास जी महाराज बन्दोल के संत रामचरण दास ने कहा कि रक्तदान पुण्य का काम है । अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने कहा कि रक्तदान महादान है, रक्तदान कर हम किसी अनजान व्यक्ति की जान बचा सकते हैं। पुण्यतिथि जैसे अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित करवाना शर्मा परिवार का सराहनीय प्रयास है । सभी लोगों को प्रेरणा लेकर ऐसे पुण्य के काम करने चाहिए।

आयोजक और पुत्र अंकित शर्मा ने बताया कि हम अपनी माताजी की पांचवी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन कर सच्ची श्रद्धांजली दी है । युवाओं और महिला शक्ति ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया। गौरतलब है कि आज से 5 वर्ष पूर्व बीलपुर निवासी स्वर्गीय दामोदर शर्मा के पुत्र सुनील शर्मा की धर्मपत्नी संतोष देवी शर्मा का कैंसर की बीमारी से असामयिक देहांत हो गया था। शिविर को सफल बनाने में अंकित कुमार शर्मा, निखिल कुमावत, हेमंत सिंह और उनकी टीम का बहुत ही सराहनीय कार्य रहा।

रक्तदान शिविर में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष मदन लाल सतरावला, नारंगी देवी, सुनील शर्मा, मोहन सैनी, मेघराज चौधरी, रामगोपाल कुमावत, शुभ शर्मा, शशि शर्मा, संदीप शर्मा, अंकिता शर्मा, मीना शर्मा, प्रिया शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

विश्व कुष्ठ रोग दिवस पर कुष्ठ रोग के खिलाफ जागरुकता कार्यक्रम का किया आयोजन

नई दिल्ली (हमारा वतन)। विश्व कुष्ठ रोग दिवस हर साल जनवरी के आखिरी रविवार को मनाया जाता है। लेकिन भारत में, यह हर साल 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के साथ मनाया जाता है। विश्व कुष्ठ रोग दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि इस बीमारी से जुड़ी भ्रामकता के खिलाफ आमजन में जागरुकता पैदा करना है साथ ही लोगों को पता चले कि यह एक प्रकार के बैक्टीरिया से फैलने वाली बीमारी है और इसे आसानी से ठीक किया जा सकता है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विभिन्न राष्ट्रीय संस्थान एवं समेकित क्षेत्रीय केंद्र द्वारा विश्व कुष्ठ रोग दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनके माध्यम से आम लोगों के बीच इस रोग को लेकर जागरुकता फैलाई गई।

नवलगढ़ के डॉ. राजेश सैनी पीस अवॉर्ड्स - 2024 से होंगे सम्मानित

नवलगढ़ (हमारा वतन)। कृषि पत्रकार पर्यावरण विद् कृषि विशेषज्ञ एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक डॉ. राजेश सैनी को पीस अवार्ड 2024 से 14 फरवरी 2024 को शांति फाउंडेशन गोंडा उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर कृषि पत्रकारिता और हाईटेक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

हर वर्ष संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर कुछ चुनिंदा लोगों को समाज सेवा, कृषि पत्रकारिता, पर्यावरण, कृषि, शिक्षा इत्यादि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया जाता है ।

सैनी ने कहा कि कृषक कृषि की नवीन तकनीकों को अपनाकर अपनी आय को दुगुनी कर सकता है । संरक्षित खेती को अपना कर कृषक ज्यादा उत्पादन एवं उच्च गुणवत्ता का उत्पाद बेमौसम प्राप्त कर सकते हैं । वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को किसानों तक पहुंचाने मैं कृषि पत्रकारिता की अहम भूमिका है । सैनी ने अपने इस सम्मान को प्रदेश के सभी अन्नदाताओ एवं कृषि पत्रकारों का सम्मान बताया । उन्होंने कृषकों का आह्वान किया की नवाचार अपनाएं और देश में खुशहाली लाएं ।

राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़

जयपुर (हमारा वतन)। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 24 जनवरी से 3 फरवरी तक आयोजित राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी । आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार के दिशा निर्देशन में राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ परिसर, बजाज नगर में यह प्रदर्शनी लगाई गई थी । ग्राहकों ने खादी वस्त्र, ऊनी वस्त्र, पॉलिस्टर वस्त्र,रजाई ,गद्दे ,साड़ी,शर्ट, कुर्ते, पजामे, लेडीज सूट, जेकेट, शाल, कम्बल, टॉवल,दरी, फर्श आदि ख़रीदे । उद्घाटन के दिन मुख्य अतिथि नागेन्द्र रघुवन्शी सदस्य खादी ग्रामोद्योग आयोग, अनिल कुमार शर्मा मंत्री ग्रामोद्योग संस्था संघ और डॉ. राहुल मिश्र, राज्य निदेशक खादी ग्रामोद्योग आयोग सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे थे ।

ईटावा भोपजी के साईं धाम का तीन दिवसीय त्रयोदशम पाटोत्सव हुआ संपन्न

श्रृंगार,अभिषेक, हवन, सत्संग, कन्या प्रसादी और सुंदरकांड पाठ के हुए आयोजन

हजारों की संख्या में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान के जयपुर ग्रामीण जिले की चौमूं तहसील के ग्राम ईटावा भोपजी, जीएसएस ग्रिड के सामने स्थित श्री शिरडी साईं धाम का त्रयोदशम पाटोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया । इस दौरान साईं बाबा की मनमोहक झांकी कोलकाता के फूलों से सजाई गई । वहीं संपूर्ण मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया ।श्री श्री 1008 चेतन दास जी महाराज (फलाहारी बाबा) ने पाटोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन दिए ।

मंदिर महंत कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने बताया कि पहले दिन साईं बाबा का अभिषेक और श्रृंगार किया गया। दूसरे दिन देश-प्रदेश में सुख शांति के लिए पूर्ण विधि विधान हवन किया गया और तीसरे दिन विशाल साईं सत्संग, कन्या प्रसादी, संतो द्वारा आशीर्वचन और शाम को श्रीराम भक्त मंडल ईटावा भोपजी द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।

जमकर नाचे किन्नर- अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर किन्नर लोग अपनी टोली के साथ मंदिर में पहुंचे और साईं बाबा का आशीर्वाद लिया ।साईं बाबा के मधुर भजनों को सुनकर किन्नर अपने आप को रोक नहीं पाए और बेसुध होकर नाचने लगे ।

पाटोत्सव में शाहपुरा विधायक मनीष यादव, एमएलए प्रत्याशी छुटटन यादव, श्री राजपूत सभा चौमूं अध्यक्ष रविंद्र सिंह ईटावा, गुलाब सिंह राठौड़, नाथू लाल, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि मोहन बराला, सरिता यादव, तिलक वसिष्ठ, मानसिंह सिसोदिया, भवानी सिंह लोहरवाड़ा, भंवर सिंह आकाशवाणी, प्रकाश वैष्णव, कालूराम भिंडा, भंवर सिंह नाथावत, तोफान, जितेंद्र सिंह नाथावत, विक्रम सिंह सिंगारा, पूनम कंवर, प्रियंका कंवर, अंजली नाथावत, आयुषी नाथावत सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे ।

प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल में होंगे बच्चों के विभिन्न कंपटीशन

जयपुर (हमारा वतन)। चौमूं शहर के राधास्वामी बाग, बाईपास स्थित प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों के विभिन्न कंपटीशन आयोजित किए जाएंगे। प्रिंस ग्रुप ऑफ़ एजूकेशन के डायरेक्टर कैलाश चौधरी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ अन्य कंपटीशन भी करना जरूरी है । इसी को देखते हुए हम बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के कंपटीशन आयोजित करवा रहे हैं ।

जानकारी के अनुसार 18 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रिंस फैंसी ड्रेस कंपटीशन का आयोजन किया जाएगा जिसमें कक्षा 2 से लेकर कक्षा 5 तक के स्टूडेंट्स भाग लेंगे। इसी प्रकार प्रिंस हेल्दी बेबी कंपटीशन का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें दो ग्रुप रहेंगे । कंपटीशन में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले बच्चों को प्राइज देकर सम्मानित किया जाएगा । निःशुल्क रजिस्ट्रेशन चालू हैं।

दीपिका पारगी बनी राजस्थान कल्चरल फैशन शो की ब्रांड एम्बेसडर

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान की पोशाक और पहनावे को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से 22 फरवरी को जयपुर में राजस्थान कल्चरल फैशन शो का आयोजन किया जायेगा। जिसमें डूंगरपुर की दीपिका पारगी को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है । दीपिका ने 2022 में मिसेज ग्लैमर इंडिया का खिताब जीतकर डूंगरपुर का नाम रोशन किया था । शो डायरेक्टर राज शर्मा ने बताया कि शो के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्र के पहनावे को प्रमोट किया जाएगा ।

नाले की भयंकर बदबू में काम करने को मजबूर चौमूं डाककर्मी

चौमूं (हमारा वतन)। चौमूं शहर के रेनवाल रोड स्थित चौमूं डाकघर के कर्मचारी नाले की भयंकर बदबू में काम करने को मजबूर हैं । जानकारी के अनुसार चौमूं शहर का गंदा नाला रेनवाल रोड से गुजर रहा है । खुला नाला होने की वजह से दुर्गंध बनी रहती है ।

चौमूं डाकघर के पोस्ट मास्टर हरिशंकर वर्मा ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन को समस्या से बार-बार अवगत करवाया है लेकिन अभी तक भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है । दिनभर दुर्गन्ध में काम करने से कई बीमारियों का खतरा बना रहता है। हमारी मांग है कि या तो नाले के ऊपर फैरो कवर रखवाए जाएं या फिर पाइप डालकर इसको ढँकवाया जाए ताकि दुर्गंध नहीं फैले और हमें काम करने में कोई परेशानी नहीं हो।

डाकघर में आने वाले ग्राहकों को भी दुर्गंध का सामना करना पड़ता है।

डाक कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन कर जल से जल्द प्रशासन से समस्या के समाधान करने की मांग की है। इस दौरान डाक सहायक देवी लाल चौधरी, डाक सहायक गोपाल मीणा, सुभाष शर्मा, बाबूलाल यादव, रामदयाल चौधरी, गुरु कृपा कुमावत, राधेश्याम बागड़ा, श्याम स्वरूप आदि लोग मौजूद रहे ।

अब उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 31 मार्च तक होंगे

जयपुर (हमारा वतन)। राज्य सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन की तिथि 31 जनवरी से बढ़ा कर 31 मार्च कर दी गई है।

निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता जगजीत सिंह मोंगा द्वारा आदेश जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के मूल निवासियों के लिए अनुसूचित जाति, अनु. जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग (पूर्व में विशेष पिछडा वर्ग), अन्य पिछडा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु समुदाय, मिरासी एवं भिश्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं में राज्य की राजकीय, निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं एवं राज्य के बाहर संचालित राष्ट्रीय स्तर की राजकीय शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित, अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा वेब पोर्टल www.sjmsnew.rajasthan.gov.in/scholarship अथवा एसएसओ पोर्टल पर SCHOLARSHIP SJE App अथवा मोबाइल ऐप SJED Application के माध्यम से आनलाइन आवेदन करने (कक्षा 11 एवं 12वीं के अतिरिक्त) तथा संस्थाओं द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण करने, आवेदन पत्र भरने के लिए पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि 31 जनवरी में संशोधन किया गया है।

उन्होंने बताया कि अब नवीन निर्धारित अंतिम तिथि 31 मार्च, 2024 कर दी गई है। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी www.sjmsnew.rajasthan.gov.in/ scholarship अथवा विभागीय वेबसाईट www.sje.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है

एवं विभागीय जिला कार्यालय में व्यक्तिशः एवं दूरभाष पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कल्पना हार्ट एंड मल्टीस्पेशयलिटी हॉस्पिटल के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 352 मरीज हुए लाभान्वित

जयपुर (हमारा वतन)। चौमूं तहसील के ग्राम डोला का बास, बावड़ी मोड, सरस्वती स्कूल के सामने स्थित भास्कर नर्सिंग होम पर कल्पना हार्ट एंड मल्टीस्पेशयलिटी हॉस्पिटल सामोद पुलिया के पास चौमूं की ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया ।चिकित्सा शिविर में एसएमएस के पूर्व चिकित्सक डॉ. प्रदीप यादव, स्त्री प्रसूती रोग विशेषज्ञ डॉ. अमृता चतुर्वेदी ने परामर्श दिया। ग्रामीणों ने चिकित्सकों का साफा बंधवाकर स्वागत सम्मान किया । इस दौरान हरिनारायण पूर्व सरपंच, जगदीश,जीवाराम ढाका, नानकराम ढाका, फूलचंद, सोहन गोस्वामी, महिपाल यादव आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

अशोक पाल सिंह को मिलेगा मातृभाषा बिजल काव्य रत्न मानद उपाधि सम्मान

हरिद्वार (हमारा वतन)। अंतरराष्ट्रीय साहित्य संस्था शब्द प्रतिभा बहू क्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा कविता प्रतियोगिता के चयनित 145 कवियों में उत्तराखंड के चार कवियों ने भी जगह बनाई। उत्कर्ष रचनाओं के रचनाकारों को मातृभाषा काव्य रत्न मानद उपाधि सम्मान दिया जाएगा। इसमें गांव नसीरपुर कला हरिद्वार निवासी पुष्पराज धीमान भुलक्कड़ ने 9वां, अल्मोड़ा के ललित मोहन जोशी ने 84वां, नैनीताल निवासी डॉ. शशि जोशी को 93वां और अशोक पाल सिंह हरिद्वार को 124वां स्थान मिला। संस्थापक अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु ने बताया कि 21 फरवरी को नेपाल में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा । इसमें सभी देशों से चयनित 50 रचनाकारों को नोबेल टैलेंट इंटरनेशनल अवार्ड से नवाजा जाएगा।

जॉब्स-

1. आरआरबी, पद असिस्टेंट लोको पायलट, पद संख्या 5696, अंतिम तिथि 19 फरवरी 2024
2. राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर, पद जूनियर पर्सनल असिस्टेंट, पद संख्या 30, अंतिम तिथि 9 मार्च 2024
3. आरएसएमएसएसबी, पद एनिमल अटेंडेंट, पद संख्या 5934, अंतिम तिथि 17 फरवरी 2024
4. स्टाफ सिलेक्शन कमिशन, पद सिलेक्शन पोस्ट 12, पद संख्या घोषित नहीं, अंतिम तिथि 28 फरवरी 2024
5. डीएसएसएसबी, पद नर्सिंग ऑफिसर पैराकेमिस्ट व अन्य, पद संख्या 1896, अंतिम तिथि 8 मार्च 2024
6. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद टीजीटी संस्कृत एजुकेशन, पद संख्या 347, अंतिम तिथि 6 मार्च 2024
7. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद प्रोगामर, पद संख्या 216, अंतिम तिथि 1 मार्च 2024
8. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद व्याख्याता संस्कृत शिक्षा विभाग, पद संख्या 52, अंतिम तिथि 29 फरवरी 2024

बॉलीवुड चटकारा

जिंदा हैं पूनम पांडे

वीडियो पोस्ट करके बताया क्यों उड़ाई अपनी मौत की खबर

नई दिल्ली (हमता वतन)। एक दिन के सस्पेंस के बाद पूनम पांडे जिंदा निकली। उन्होंने कहा है कि की मौत वाली पोस्ट सर्वाइकल कैंसर को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए डाली थी। एक्ट्रेस पूनम पांडे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके बताया है कि वह जीवित हैं। पूनम पांडे ने कहा है कि मौत को लेकर बनाया गया ये पूरा माहौल सर्वाइकल कैंसर को लेकर चलाए गए एक अवेयरनेस कैपेन का हिस्सा था। पूनम पांडे ने खुद एक इंस्टाग्राम पोस्ट करके बताया है कि मैं जिंदा हूं। इंस्टा पर एक वीडियो पोस्ट पर उन्होंने कहा, मैं जिंदा हूं। सर्वाइकल कैंसर की वजह से मेरी मौत नहीं हुई है। दुर्भाग्यवश मैं उन सैकड़ों-हजारों औरतों के बारे में ऐसा नहीं बोल सकती हूं जिन्होंने सर्वाइकल कैंसर की वजह से अपनी जान गंवा दी। ऐसा नहीं था कि वो इस बारे में कुछ नहीं कर सकती थीं, लेकिन उन्हें पता ही नहीं था कि क्या करना है। मैं आपको यहां पर ये बताने के लिए हूं कि अन्य कैंसर के मुकाबले सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है।

पूनम पांडे ने अपने वीडियो में कहा, आपको बस इतना करना है कि अपनी जांच करानी है और HPV वैक्सीन लेनी है। हम इसके अलावा भी बहुत कुछ कर सकते हैं ताकि यह पक्का कर सकें कि इस बीमारी से और जानें ना जाएं। प्लीज www.PoonamPandeyIsAlive.com पर विजिट करें। इसके बाद पूनम पांडे ने एक और वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, मैं माफी मांगना चाहती हूं कि मेरी वजह से इतने आंसू बहे और मैं माफी मांगना चाहती हूं उन लोगों से जो मेरी वजह से आहत हुए हैं। मैंने ऐसा क्यों किया? ताकि इस बारे में बातचीत का विषय बनकर लोगों को शॉक कर सकूं कि वो इस बारे में पर्याप्त बातें नहीं कर रहे हैं। यह मुद्दा है सर्वाइकल कैंसर का। हां, मैंने अपनी मौत का झूठा स्वांग रचा। जानती हूं कि यह बहुत ज्यादा हो गया। लेकिन अब अचानक से हम सभी सर्वाइकल कैंसर के बारे में बात कर रहे हैं। सच है ना? यह वो बीमारी है जो बड़ी खामोशी से आपकी जिंदगी ले जाती है। और इस बीमारी को तुरंत प्रभाव से स्पॉटलाइट में आने की जरूरत थी।

वीडियो में पूनम पांडे ने कहा, मेरी मौत की खबर जो काम कर पाई है उस पर मुझे फक्र है। और जिन लोगों के पास मेरे लिए सवाल हैं। उनसे मैं जल्द ही हटरफ्लाई पर मिलूंगी। बता दें कि पूनम पांडे की मौत की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने उनके बारे में तरह-तरह की बातें करना शुरू कर दिया था। कोई इस खबर से शॉक्ड था तो कोई मन में जिज्ञासा लिए था कि आखिर कल तक जिसकी हंसती खेलती तस्वीरें देख रहे थे उसे कैंसर यूं अचानक कैसे निगल गया।

रश्मिका मंदाना ने बताया डीपफेक वीडियो आने पर किस बात का था डर, बोलीं- अगर कॉलेज में,...

रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने डीपफेक वीडियो पर बात की है। उन्होंने बताया कि जब यह वायरल हुआ तो उनके दिमाग में क्या चल रहा था। साथ ही उनको क्यों लगा कि इस पर बात करनी चाहिए।रश्मिका मंदाना साउथ के साथ हिंदी दर्शकों के बीच काफी पॉप्युलर हो चुकी हैं। पुष्पा के बाद एनिमल में उनके काम को लोगों ने खूब पसंद किया। नवंबर के महीने में उनका एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें किसी और की बॉडी पर रश्मिका का चेहरा लगाया गया था। आरोपी को बीते हफ्ते दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस वक्त रश्मिका ने इस मैटर पर एक पोस्ट किया है। अब एक इंटरव्यू के दौरान फिर से उस घटना पर बोली हैं।

लोग उठाते हैं सवाल-रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली बनकर हिंदी दर्शकों के दिलों में जगह बना चुकी हैं। एनिमल में गीतांजलि के रोल में भी उनकी एक्टिंग लोगों को पसंद आई। We Are Yuvaa से बातचीत में रश्मिका कई मामलों पर बोलीं। उन्होंने अपने डीपफेक वीडियो पर भी बात की। रश्मिका ने कहा, कई बार ऐसा होता है और आप इस बारे में बात करते हैं लेकिन कुछ लोग कहने लगते हैं लेकिन आपने ऐसा प्रोफेशन चुना है। या फिर बोलते हैं, ऐसा तो होना ही था। अब इस बारे में क्यों बात कर रही हो?

कॉलेज टाइम पर होता तो?रश्मिका बताती हैं, मेरे दिमाग में सिर्फ एक बात ही चल रही थी, अगर कॉलेज में मेरे साथ ऐसा होता तो क्या होता, तब तो मेरे सपोर्ट में कोई नहीं आता। क्योंकि हमारे कल्चर में ही है कि समाज सोचता कि ये हम ही होंगे। जैसा समाज है, हमें वैसा ही देखना चाहता है।

जागरूकता लाना जरूरी था- सोचिए किसी कॉलेज की लड़की को इससे गुजरना पड़ता। मुझे लगा कि यार मैं उनके लिए बहुत डरी हुई हूं।

क्या आपके बच्चे में भी है फोकस की कमी

तो इन टिप्स के साथ बूस्ट करें उनकी एकाग्रता

अमूमन एकाग्रता की कमी के कारण बच्चे क्लास रूम में पढ़ाई करते वक्त, घर पर होमवर्क करते हुए या किसी भी कार्य को करते वक्त इधर-उधर की बातें करना शुरू कर देते हैं। और फिर उसके बाद उनका कोई भी काम पूरा नहीं हो पाता। इस बात को लेकर सभी पेरेंट्स काफी ज्यादा चिंतित रहने लगी हैं। हालांकि, इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। बच्चों की दिनचर्या में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने की जरूरत है और यह आपके बच्चे की कंसंट्रेशन पावर को तेजी से और प्रभावी रूप से बूस्ट करेगा। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही जो बच्चों की एकाग्रता बढ़ाने में आपकी मदद करेंगी।छोटी उम्र में बच्चों का दिमाग ग्रो कर रहा होता है, ऐसे में यदि आप बचपन से ही उनके फोकस को बनाए रखने की कोशिश करेंगी तो वह आगे चलकर सभी कार्य को पूरी एकाग्रता के साथ करेंगे। परंतु इस मोबाइल फोन और ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया में कहीं न कहीं बच्चे उस ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं और उनकी शारीरिक सक्रियता भी घटती जा रही है। यह आदतें आपके बच्चे के कंसंट्रेशन पावर को प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, बढ़ता डिजिटलाइजेशन बच्चों के शिक्षा में काफी सारे सकारात्मक बदलाव लेकर आया है परंतु कहीं न कहीं यह उनके दिमाग पर नकारात्मक असर भी डाल रहा है। इसीलिए छोटी उम्र में बच्चों को मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट से जितना हो सके उतना दूर रखने की कोशिश करें।

1. पोषण पर दें खास ध्यान- शरीर में पोषक तत्वों की कमी बच्चों के कंसंट्रेशन पावर को कम कर सकती है। वहीं जंग फूड, शुगरी फूड्स और अनहेल्दी फैट्स बच्चों में ध्यान की कमी का एक सबसे बड़ा कारण होता है। शरीर में पर्याप्त मात्रा में विटामिंस और ओमेगा 3 फैटी एसिड की मात्रा कंसंट्रेशन को बूस्ट करने में मदद करते हैं।इसलिए बच्चों की डाइट में दूध, मछली, ओट्स, अंडा, मीट इत्यादि को जरूर शामिल करें। इसी के साथ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट और सोडियम की कमी से याददाश्त और एकाग्रता कमजोर हो सकती है। ऐसे में बच्चों को पर्याप्त पानी दें और उन्हें हाइड्रेटेड रखें।

2. ब्रेनस्टॉर्मिंग गेम में भाग लेने के लिए प्रेरित करें-बच्चों को दिमाग इस्तेमाल करने वाले खेल में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। जैसे की क्विज़, साइंटिफिक गेम यह सभी फोकस और सोचने की शक्ति को बढ़ाने में मदद करेंगे। इसी के साथ तरह-तरह के पजल वाले गेम खेलने से भी कंसंट्रेशन बूस्ट होता है। वहीं यदि आपका बच्चा बहुत छोटा है तो उनके साथ अल्फाबेटिकल सीरीज वाले गेम खेलें। यह बचपन से ही उनके ध्यान में एकाग्रता लाएगा।

3. शारीरिक सक्रियता बनाए रखें-पोषण के साथ-साथ शारीरिक ऊर्जा का सही इस्तेमाल होना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए बच्चों का शारीरिक रूप से सक्रिय रहना बहुत जरूरी है।

क्यों यंग दिखने के लिए महिलाएं कर रहीं हैं इस खास फेशियल पर भरोसा

ब्यूटी इंडस्ट्री हमारी कल्पनाओं से परे हैं। यहां दही और केला ही नहीं, बल्कि चॉकलेट और चारकोल भी कमाल कर सकते हैं। इसी कड़ी में जुड़ गया है वैंपायर फेशियल। पर क्या ये वाकई इफैक्टिव है? झुर्रियों और फाइन लाइन से छुटकारा पाना चाहती हैं? एजिंग के प्रभाव को रोकने के लिए यदि आप सर्जरी नहीं कराना चाहती हैं, तो इसके कई विकल्प हो सकते हैं। इसमें सबसे प्रमुख है 'वैम्पायर फेशियल।' यह प्लाज्मा से भरपूर प्रोटीन (पीआरपी) फेशियल है, जिसे आमतौर पर 'वैम्पायर फेशियल' कहा जाता है। यह एक बहुत लोकप्रिय तरीका है। किम कार्दशियन ने वैम्पायर के चेहरे को तब लोकप्रिय बना दिया जब उन्होंने खून से लथपथ अपने चेहरे की एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की। यदि आपने इसके बारे में कभी नहीं सुना है, तो हम आपको इसके बारे में बताएंगे।

क्या है वैम्पायर फेशियल- वैम्पायर फेशियल को दुनिया भर के सेलेब्स पसंद करते हैं। यह एक प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा थेरेपी है। इसमें शरीर से ब्लड निकाल कर चेहरे में इंजेक्ट करने की जरूरत पड़ती है।

वैम्पायर फेशियल के फायदे -इस फेशियल से त्वचा को कई फायदे होते हैं। हमारा ब्लड पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसलिए यह काफी हद तक त्वचा को बेहतर बनाने में मदद करता है। त्वचा की बनावट को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करने से लेकर सेल टर्नओवर दर बढ़ाने तक, वैम्पायर फेशियल त्वचा को रिचार्ज और लाइवली बनाने का शानदार तरीका है। यह एक त्वरित और सुरक्षित प्रक्रिया है। यह सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त है। इसे अप्लाई करने के बाद कुछ एहतियात बरतें।

उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकने में मदद करता है -यदि आप महीन रेखाओं और झुर्रियों से छुटकारा पाना चाहती हैं और बच्चे की तरह मुलायम त्वचा चाहती हैं, तो वैम्पायर फेशियल सबसे बढ़िया है। यह फेशियल त्वचा में नई कोशिकाओं को बहाल करने में प्रभावी रूप से मदद करता है। इससे त्वचा जवान और स्वस्थ दिखती है। इसके अलावा चेहरे में इंजेक्ट किया गया ब्लड सेल टर्नओवर को बढ़ाने में मदद करता है। यह उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकने में मदद करता है।

2. स्किन मुलायम होती है -वैम्पायर फेशियल स्किन की बनावट में सुधार करता है। इससे स्किन चिकनी, मुलायम और कोमल होती है। चूंकि यह सेल टर्नओवर में योगदान देता है, नई त्वचा कोशिकाएं मृत त्वचा कोशिकाओं से छुटकारा दिलाने में मदद करती हैं।

अपने यथार्थ स्वरूप को जान लेना ही मुक्ति है

जाग्रत दीर्घ है और स्वप्न क्षणिक है; इसके अतिरिक्त इनमें कोई भेद नहीं है। जाग्रत में होने वाले व्यवहार जितने वास्तविक मालूम होते हैं, स्वप्न में होने वाले व्यवहार भी उसी तरह उतने ही वास्तविक दिखाई देते हैं। जाग्रत तथा स्वप्न, दोनों अवस्थाओं में विचार एवं नाम रूप एक ही हैं।सुख आत्मा का स्वरूप है। सुख एवं आत्म स्वरूप भिन्न नहीं हैं। आत्मसुख एक ही है; वही सत्य है। प्रपंच की किसी भी वस्तु में सुख नहीं है। अपने अविवेक के कारण हम सोचते हैं कि उनसे सुख मिलता है। मन जब बाहर निकलता है, तब दुख का अनुभव करता है । वास्तव में जब कभी हमारे विचार पूर्ण होते हैं, तब वह अपने उद्गम स्थान पर लौटकर आत्मसुख का ही अनुभव करता है।उसी प्रकार सुषुप्ति, समाधि और मूर्छा के समय में तथा इच्छित वस्तु की प्राप्ति होने पर और अनैच्छिक के दूर होने पर भी मन अंतर्मुखी हो आत्मसुख का ही अनुभव करता है।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

समंदर में सैन्य सफलताओं के कीर्तिमान

यह एक कीर्तिमान की तरह है कि हमारी नौसेना 24 घंटे के भीतर दो जहाजों को समुद्री डाकुओं से सुरक्षित रिहा कराए। दोनों जहाजों पर ईरान के झंडे थे। दूसरे जहाज पर तो 19 पाकिस्तानी नागरिक भी सवार थे। हमने यह सफलता कूटनीति और बल-प्रयोग से हासिल की, जो बताता है कि समंदर में अब हम कितने सक्षम हो गए हैं। हालांकि, समुद्र में भारतीय नौसेना कभी कमजोर नहीं रही है। 1971 की जंग भला कौन भूल सकेगा, जिसमें बांग्लादेश का निर्माण किया गया था। उस युद्ध में भारतीय नौसेना ने काफी उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी। दरअसल, पाकिस्तान जब हमें लगातार परेशान करता रहा, तो जनरल मानेकशॉ के नेतृत्व में भारत की जल, थल और वायु सेना ने तय किया कि 3-4 दिसंबर की रात पाकिस्तान पर चौतरफा हमला किया जाएगा। यह माना गया कि अगर हम पूर्व में कुछ करेंगे, तो पाकिस्तान उसका बदला पश्चिम में लेगा, जो बाद में सही साबित भी हुआ। इसीलिए हमारी रणनीति बनी कि पाकिस्तान के सबसे बड़े बंदरगाह कराची को ध्वस्त कर दिया जाए, क्योंकि वहीं से उसकी नौसेना का संचालन होता था और वह उसका सबसे बड़ा व्यावसायिक बंदरगाह भी था। साथ ही, पूर्वी पाकिस्तान के बंदरगाह को भी नष्ट करने की योजना बनी, ताकि यहां उसके सैनिकों को घेर लिया जाए। कराची पर हमले की दुश्वारियां थीं। हमारे मिसाइल बोट छोटे थे और वे ज्यादा देर तक समंदर में नहीं रह सकते थे। उन पर तैनात मिसाइलें एक नियत दूरी से ही कराची बंदरगाह को निशाना बना सकती थीं। लिहाजा, दोतरफा योजना बनी। चूंकि ये मिसाइल बोट बॉम्बे (अब मुंबई) में तैनात थे, तो बड़े जहाज उनको खींचकर कुछ दूर ले आएं, ताकि उनका तेल कम उपयोग हो। और, दूसरी योजना के तहत कुछ मिसाइल बोट को पोरबंदर ले आया जाए, जहां से ईंधन लेकर वे कराची की ओर कूच करें। 3-4 दिसंबर की रात हमारे चार मिसाइल बोट इसी योजना के तहत पोरबंदर और बॉम्बे से निकले। सभी पर चार-चार मिसाइलें थीं। ये सभी जब कराची से नियत दूरी पर पहुंचे, तो उन्होंने ताबड़तोड़ हमला बोल दिया। यह सब इतनी तेजी से हुआ कि पाकिस्तान को सोचने का वक्त ही नहीं मिला। इससे कराची बंदरगाह पर मौजूद तेल के भंडार में आग लग गई और वहां मौजूद तमाम व्यावसायिक व जंगी पोत नष्ट हो गए। भारतीय नौसेना की इसी सफलता के कारण 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाता है।

राम गोपाल सैनी

उधर, पूर्वी तट पर विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को तैनात किया गया, जिस पर सी हॉक जैसे लड़ाकू विमान तैनात थे। जब देखा गया कि पूर्वी पाकिस्तान के बंदरगाहों पर हलचल तेज हो गई है, तो इस पोत पर तैनात विमानों ने वहां जमकर बमबारी की, जिससे पाकिस्तानी सैनिकों को हौसला टूट गया। वे या तो यहां से भाग निकले या उनकी जरूरतों को पूरा करने पश्चिमी पाकिस्तान से कोई मदद न आ सकी। इसने पाकिस्तानी कमांडर और 93,000 सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। हालांकि, इससे पहले की एक घटना काफी दिलचस्प है। पाकिस्तान ने अपनी पनडुब्बी गाजी को पूर्वी तट पर तैनात किया था, ताकि वह विक्रांत को डुबो सके। मगर गाजी को छकाने के लिए भारतीय नौसेना ने आईएनएस राजपूत का इस्तेमाल किया, जो समंदर में सुरक्षा-कार्यों में तैनात था। वह संचार माध्यमों से इस तरह जवाब देता रहा, मानो वही विक्रांत हो। इस कारण गाजी विशाखापट्टनम के आसपास ही भटकता रहा, और बाद में हमारे सैनिकों द्वारा नष्ट कर दिया गया। यहां एक और घटना का जिक्र जरूरी है। पश्चिमी तट पर हमारा युद्धपोत आईएनएस खुखरी पाकिस्तानी हमले का शिकार हो गया। इस जहाज के कप्तान महेंद्र नाथ मुल्ला अपने सैनिकों का साथ छोड़ने को तैयार नहीं हुए और वीरगति को प्राप्त हुए। नेतृत्व की इस भूमिका के लिए उनको मरणोपरांत महावीर चक्र से भी सम्मानित किया गया। वास्तव में, नेतृत्व की यह भूमिका भारतीय नौसैनिकों के खून में है।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान शुरू

किसानों को फसल खराबे के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार कटिबद्ध : मीणा

जयपुर(नि.सं.)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने पंत कृषि भवन में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पॉलिसियों का वितरण कर रबी 2023-24 की 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषकों को समय पर बीमा पॉलिसी की हार्ड कॉपी नही मिलने से खराबा होने पर फसल की जानकारी एवम किसानों को बीमा के प्रति जागरुक करने के लिए पूरे प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर शिविर लगाकर पॉलिसियों का वितरण 2 फरवरी से 29 फरवरी तक किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जो किसान इन शिविरों में पॉलिसी प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं, वे अपनी फसल बीमा पॉलिसी संबंधित कृषि पर्यवेक्षक से प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ. मीणा ने कहा कि किसानों को ओलावृष्टि, चक्रवात और चक्रवाती वर्षा जैसी प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान झेलना पड़ता है। इन आपदाओं से कृषकों को राहत प्रदान करने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना वरदान साबित हो रही है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा निरन्तर प्रचार-प्रसार और किसानों को समय पर बीमा क्लेम का भुगतान मिल जाने से इस योजना की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।

सूर्य सप्तमी (15 फरवरी) पर प्रदेश के सभी स्कूलों में होगा सूर्य नमस्कार का अभ्यास

सफल आयोजन के लिए बेहतर प्लानिंग और समन्वय जरूरी : राज्य परियोजना निदेशक

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में सूर्य सप्तमी (15 फरवरी) के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा एक ही समय अवधि में सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया जाएगा। यह गतिविधि 15 फरवरी को सभी स्कूलों में प्रार्थना सभा के बाद प्रातः 10.30 बजे से 10.45 बजे की अवधि में एक साथ आयोजित होगी, इसके तहत पांच बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास होगा। सभी स्कूलों में छात्र एवं छात्राओं के अलग-अलग समूहों में इस गतिविधि का आयोजन होगा। प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा शनिवार से विद्यालयों में इसकी तैयारी शुरू होगी। सामूहिक आयोजन के दिन 15 फरवरी को प्रदेशभर में अधिकारियों द्वारा स्कूलों में इस गतिविधि का निरीक्षण भी किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग की इस विशेष पहल के बारे में शुक्रवार को आयोजित राज्य स्तरीय वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के आयुक्त एवं राज्य परियोजना निदेशक श्री अविचल चतुर्वेदी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप इस कार्यक्रम के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए सभी स्तरों पर बेहतर प्लानिंग और समन्वय से कार्य किया जाए।

प्रदेश की खनिज संपदा, खनिज व खनन क्षेत्रों, रिपोर्टस, नक्शों, माइनिंग मान्यूमेंट्स आदि का होगा डिजिटाइजेशन

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश के माइनिंग डेटा का डिजिटाइजेशन किया जाएगा, जिससे प्रदेश की खनिज संपदा और इससे जुड़े समस्त प्रकार के दस्तावेजों का संरक्षण और महत्वपूर्ण जानकारियां डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध हो सके। खान सचिव आनन्दी ने यह निर्देश शुक्रवार को खनिज भवन में राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की कार्यसमिति की बैठक में दिए।

(कविता)

मैं लड़ लेती हूं

समस्याओं से मैं लड़ लेती हूँ,
थकान बहुत होती है पर मां के लिए
दुःख भी हँस कर सह लेती हूँ
कर्म खातिर रोज बैग
उठाके चल देती हूँ
जब समस्याएं वापस
आन पड़ती हैं तो
कृष्ण और मां को याद कर लेती हूं
फिर भी मन सब कुछ सह लेता है
जब आशीर्वाद परमात्मा देता है
मन कृष्ण ही कृष्ण गाता है
और कहता है,मेरे साथ वो है
तो हर मुश्किल भी आसान है
चाहे रास्ते में बड़ा तूफान है
डरती नहीं कृष्ण का साथ है
सिर पे माँ का हाथ है।
कर्म, कृष्ण बिना कुछ नहीं
वो है तो सब है वर्ना
इस संसार में कुछ भी नहीं
यूं हारकर कहाँ जाऊं
मन को जगह जगह न भटकाऊँ
मिले न रस्ता तो लौट
परमात्मा के द्वार आऊँ
वो सुख ही क्या जो
दुःख से पहले मिले
असली सुख तो वही है
जो दुःख के बाद मिले

-पूजा गाडिया लोहार, झालावाड़

(कविता)

सृष्टि का सृजन

देखा अद्भुत सृष्टि का सृजन।
छुपा गहन रहस्यों का वर्णन।

प्रभु इच्छा सर्वत्र इतनी प्रबल।
हिलता ना पत्ता कत्तई अविरल।
मानुष कृति जहाँ सबसे सबल।
दीन-हीन सेवा ही नित अव्वल।
मिलता आशीष ज्यों ईश दर्शन।
देखा अद्भुत सृष्टि का सृजन ।
उदयास्त सूर्य चन्द्रमा का होना।
भोर में असंख्य तारों का खोना।
अलौकिक आत्मीय अभिव्यक्ति।
अणु प्राणी में नाहीं स्नेह विरक्ति।
हर्षोन्मत्त मन में कभी होता रुदन।
देखा अद्भुत सृष्टि का सृजन ।
समाहित शांति सद्भाव
की अद्भुतता। जिससे समृद्धि
सामंजस्य उत्कृष्टता।
लौकिक जगत में समरसता का अंत।
सृष्टि ना सिर्फ समय स्थान में अनंत।
करते कालचक्र की बातों का श्रवण।
देखा अद्भुत सृष्टि का सृजन ।

-महेन्द्र सिंह कटारिया,
नीमकाथाना, राजस्थान

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फलैक्स/विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमू शहर होगा